Tweet 0

फडणवीस ने कहा– ऋण को करेंगे इक्विटी में तब्दील

महाजेनको को घाटे से उबारने की कवायद

मुंबई। 16 जनवरी (लोस सेवा)

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की बिजली उत्पादक कंपनी महाजेनको को घाटे से उबारने की कोशिशों का खुलासा करते हुए कहा है कि उनकी सरकार महाजेनको के ऋण (डेब्ट) को इक्विटी में तब्दील कर देगी. एक साल में कार्यक्षमता में इजाफे और बिजली की कीमतों में कमी का भरोसा भी उन्होंने दिलाया.

महाराष्ट्र आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा,'हम उत्पादन खर्च को कम करने के लिए प्रक्रिया को तार्किक बनाने की कोशिश कर रहे हैं.

महाजेनको पर भारी कर्ज होने के कारण न तो उत्पादन खर्च कम हो रहा है, और न ही बिजली की दरें. हम उस पर ऋण के बोझ को कम करने के अनेक विकल्पों पर विचार कर रहे हैं.

बिजली घरों को पास के कोयला ब्लॉक का आवंटन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि तमाम बिजलीघरों को उनके पास के ही कोयला ब्लॉक्स का आवंटन किया जाए. कोयला आपूर्ति कर रही कुछ वर्तमान खदानें तो बिजलीघरों से 700 किलोमीटर तक दूर हैं. प्केंद्र ने चूंकि कोयला ब्लॉक्स की अगली नीलामी के दौरान राज्यों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है, इस वजह से अब खदानें बिजलीघरों के पास ही होंगी.

पुराने व बेमानी नियमों को बदलेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास में बाधा बन रहे पुराने व बेमानी हो चुके नियमों व कानूनों को बदलने का काम शुरू हो गया है. जल्द ही उनकी जगह 'आसान व सरल नियमावली' काम करने लगेगी. राज्य सरकार 'एकल खिड़की योजना' को गंभीरता से लागू करने के पक्ष में है जिससे कि पूंजीनिवेशकों को महाराष्ट्र में उद्योग लगाने में कोई अड़चन महसूस न हो.

शंघाई नहीं मुंबई ही

संप्रग सरकार के 'मुंबई' को 'शंघाई' बनाने के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' को सिरे से नकारते हुए मुख्यमंत्री आज यहां कहा कि 'मुंबई' को 'शंघाई' नहीं बल्कि 'सही मायने में मुंबई' बनाने की आवश्यकता है. मुंबई अपने आप में अनोखा शहर है बस इसको बेहतर स्वरूप देना भर आवश्यक है.